MINISTRY OF FINANCE (BANKING, REVENUE AND INSURANCE) (SHRI KADAMBUR M.R. JANARTHANAN): (a) No, Sir.

(b) to (d) Does not arise in view of (a) above.

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं की निजी सचिवों (प्राईवेट सेक्रेटरी) के रूप में नियुक्ति

1010.**श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला**: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कुछ भ्रष्ट अभियंताओं को मंत्रियों के निजी सचिवों और निजी सहायकों के रूप में नियुक्त किया गया हैं;

(ख) क्या यह सच है कि ये अधिकारी वित्तीय धांधली और राबन के दोषी पाये गये हैं;

(ग) उन अभियंताओं और मंत्रियों के नाम क्या हैं,जिनके साथ ये अभियंता नियुक्त हैं;और

(घ) उन्हें निजी स्टाफ में नियुक्त करने के पीछे क्या कारण हैं ?

कार्मिक,लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा वित्त मंत्रालय(बैंकिंग,राजस्व तथा बीमा) में राज्य मंत्री (श्री कादम्बूर एम.आर.जनार्दनन): (क) से (घ) केन्द्रीय-लोक-निर्माण-विभाग का कोई भी इंजीनियर,वर्तमान मंत्रिपरिषद में किसी मंत्री के निजी सचिव के रूप में नियुक्त नहीं किया गया है । मंत्रियों के वैयक्तिक सहायकों की नियुक्ति,संबंधित मंत्रियों द्वारा कार्मिक,लोक-शिकायत और पेंशन-मंत्रालय को इस बारे में कोई भी संदर्भ भेजे बिना ही की जाती है । अत: यदि केन्द्रीय-लोक-निर्माण-विभाग के कोई इंजीनियर मंत्रियों के वैयक्तिक सहायकों के रूप में कार्य कर रहे हों तो उनके बारे में जानकारी केन्द्रीकृत रूप से उपलब्ध नहीं है ।

केन्द्रीय विभागों में भ्रष्टाचार के मामले

1011. **श्री रामजीलाल**: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 7 जनवरी,1999 के "राष्ट्रीय सहारा" में केन्द्रीय विभागों में "भ्रष्टाचार के हजारों मामलों" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर आकर्षित किया गया हैं;

(ख) यदि हां,तो पिछले आठ महीनों के दौरान भ्रष्टाचार के कितने मामले सरकार की जानकारी में आए हैं और उन पर क्या कार्रवाई की गई हैं;और

(ग) भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या विशेष कदम उठाए गए हैं और इस संबंध में कब तक परिणाम प्राप्त होने की संभावना हैं?

कार्मिक,लोक-शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा वित्त मंत्रालय (बैंकिग,राजस्व और बीमा) में राज्य मंत्री (श्री कादम्बूर एम.आर.जनार्दनन): (क) जी,हां ।

(ख) पिछले आठ महीनों के दौरान,केन्द्रीय अन्वेषण-ब्यूरों ने 461 मामले दर्ज़ किए हैं जिनमे से 89 मामलों में आरोप-पत्र दायर कर दिए गए हैं । 39 मामले नियमित विभागीय कार्रवाई के लिए भेज दिए गए हैं और 5 मामले बन्द कर दिए गए हैं । शेष 328 मामले अन्वेषण हेतु लम्बित चले रहे हैं और उनके संबंध में कानून/निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जाएगी ।

(ग) भ्रष्टाचारकी रोकथाम करना एक सतत चलती रहने वाली प्रक्रिया हैं । इसके प्रति,सरकार ने निवरक सतर्कता,निगरानी तथा सुरागरसानी और निवारक दण्डात्मक कार्रवाई संबंधी त्रि-सूत्री रणनीति अपनाई हैं जिसे विभिन्न मंत्रालयों/विभाओं द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है जो अपने-अपने संबंधित संगठनों में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेवार हैं । भ्रष्टाचार को रोकने और भ्रष्टाचारियों को दंडित करने के प्रयोजन से केन्द्रीय सतर्कता आयोग और केन्द्रीय अन्वेषण-ब्यूरो के संस्थानिक ढांचों को भी सशक्त सुदृढ़ और सुविधा-सम्पन्न बनाया गया है । इसके अतिरिक्त,कोई भी नागरिक सुस्थापित कानून के अनुसार,किसी लोक-सेवक द्वारा अपने प्राधिकार का दुरूपयोग किए जाने और भ्रष्टाचार किए जाने पर उसके विरूद्व कानूनी प्रक्रिया को सक्रिया बनाने हेतु किसी पुलिस स्टेशन अथवा कानून की अदालत में जा सकता हैं ।

सतर्कता आयुक्त के पद को समाप्त करना

1012. **श्री जनेश्वर मिश्र**:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 4 जनवरी,1999 के राष्ट्रीय सहारा में" सर्तकता आयुक्त का पद खत्म करने की तैयारी" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर आकर्षित किया गया हैं,और